जारी
09-2-2022

कार्यालय : मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखण्ड़

विश्वकर्मा भवन, प्रथम तल, सचिवालय परिसर 4–सुभाष रोड़, देहरादून– 248001

Email id-ceo uttaranchal@eci.gov.in फोन न0 **(0135) 2713551**

election09@gmail.com फोन न0 **(0135) 2713552**

संख्या–1800 /XXV–12(11)/2021 देहरादून : दिनांक 09 फरवरी, 2022

स्पीड पो

सेवा में,

श्री कृष्ण गोपाल, प्रवक्ता,
राजकीय पॉलीटेन्कि महाविद्यालय,
अजमेर–305002 (राजस्थान)

विषय– **सूचना के अधिकार अधिनियम–2005 के तहत सूचना के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपका अनुरोध पत्र दिनांक 26.1.2022 इस कार्यालय में प्राप्त हुआ है, में मांगी गयी वांछित बिन्दुओं से सम्बन्धित कार्यालय में धारित सूचना, निम्न प्रकार प्रेषित की जा रही हैं तथा जो सूचना अन्य लोक सूचना अधिकारियों से सम्बन्धित है को सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 की धारा 6(3) मे तहत हस्तान्तरित की जा रही है–

बिन्दु संख्या	सूचना का विवरण
1	बिन्दु संख्या–1 से सम्बन्धित सूचना एक पेज में संलग्न प्रेषित है। - 3 पेज
2	बिन्दु संख्या–2 से सम्बन्धित सूचना समस्त लो0सू0अ0/सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखण्ड, को सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 की धारा 6(3) मे तहत हस्तान्तरित।

इस आदेश के अन्तर्गत दी गई जानकारी से यदि असंतुष्ट हों तो आदेश प्राप्ति की तिथि से 30 दिन के अन्दर विभाग के अपीलीय अधिकारी जिनका पता निम्नवत है, अपील दायर कर सकते हैं।

संलग्नक–यथोपरि।

अपीलीय अधिकारी का पता–
सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी,
विश्वकर्मा भवन, प्रथम तल,
सचिवालय परिसर 4–सुभाष रोड़,
देहरादून– 248001,

भवदीय,
B. S. Rawat
(बसन्त सिंह रावत)
अनुभाग अधिकारी एवं
लोक सूचना अधिकारी।

पृ0सं0–1800/ XXV–12(11)/2021 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि– समस्त लो0सू0अ0/सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखण्ड को उक्त अनुरोध पत्र की प्रति इस आशय से प्रेषित कि बिन्दु संख्या–2 से सम्बन्धित सूचना आपके कार्यालय से सम्बन्धित है, फलस्वरूव उक्त अनुरोध पत्र सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 की धारा 6(3) मे तहत हस्तान्तरित किया जा रहा है। कृपया अनुरोधकर्ता को सूचना उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोपरि।

B. S. Rawat
(बसन्त सिंह रावत)
अनुभाग अधिकारी एवं
लोक सूचना अधिकारी।

कार्यालय : मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखण्ड
4 – सुभाष रोड़, सचिवालय परिसर, देहरादून – 248001
फोन न0 (0135) – 2712055, 2713551
फैक्स न0 (0135) – 2713724, 2712014

देहरादून : दिनांक 13 अगस्त, 2012

संख्या– 976 /XXV–163–1(5)/2004

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी एवं
जिला निर्वाचन अधिकारी,
उत्तराखण्ड।

विषयः– **निर्वाचन के उद्देश्य से धार्मिक संस्थानों के दुरूपयोग के संबंध में।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक भारत निर्वाचन आयोग के पत्र संख्या 3/1/2012-SDR दिनांक 27 जुलाई, 2012, जिसके माध्यम से निर्वाचनों के उद्देश्य के लिए धार्मिक संस्थानों के दुरूपयोग के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं, की प्रतिलिपि संलग्न कर इस आशय से प्रेषित की जा रही है कि कृपया आयोग के निर्देशों के भली-भॉति अध्ययनोपरान्त यथासमय कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए तद्नुसार समस्त संबंधितों को भी निर्देशित करने का कष्ट करें।

भवदीया,

संलग्न-यथोपरि।

(राधा रतूड़ी)
सचिव एवं
मुख्य निर्वाचन अधिकारी

2

कार्यालय सचिव एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी
पत्र प्राप्ति का दिनांक 6 / 8 /2012
रजिस्टर क्रमांक 1805 पत्रावली संख्या

ELECTION COMMISSION OF INDIA

Nirvachan Sadan, Ashoka Road, New Delhi-110001

No. 3/1/2012-SDR Dated: 27th July, 2012

S.O. Ele.

To,

The Chief Electoral officers of
all States/ UTs
(*except Jammu & Kashmir*)

(राधा रतूड़ी)
सचिव एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी
उत्तराखण्ड 6/8/12

07-08-12
(सौजन्या)
अपर सचिव एवं
संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी

Sub:- Misuse of religious institutions for political purposes –regarding.

Sir/Madam,

The existing provisions of the Model Code of Conduct for the guidance of political parties and candidates prohibit the use of places of worship as forum for election propaganda in any manner.

Further, Sections 3, 5 & 6 of The Religious Institutions (Prevention of Misuse) Act, 1988 (No. 41 of 1988) prohibit use of religious institutions or funds of religious institutions for the promotion or propagation of any political ideas or political activity or for benefit of any political party. Contravention of the provisions of any of these Sections is punishable by imprisonment upto 5 years and with fine.

The Commission desires that the above provisions of the existing law may be brought to the notice of all DEOs and ROs so as to ensure that any violation of these provisions during election is dealt with firmly and FIRs/ complaints are lodged under relevant provisions in the event of any offence under the said Sections of the Religious Institutions (Prevention of Misuse) Act, 1988.

3

A copy of the above mentioned Act (No. 41 of 1988) is enclosed herewith. DEOs, ROs and other election authorities should be instructed to ensure strict observance of the above provisions of law. This may also be circulated to all political parties based in your State/ UT, including State units of the political parties for their information.

Kindly acknowledge receipt.

Yours faithfully,

(Ashish Chakraborty)
Secretary

Copy to: The President/General Secretary of all recognized National and State parties (As per list attached).

2/2/22

Email/ पंजीकृत/ स्पीडपोस्ट

अजमेर, दिनांक 26/01/2022

सेवा में,

लोक सूचना अधिकारी (PIO),
कार्यालय - मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखण्ड-देहरादून
CHIEF ELECTORAL OFFICER (CEO), UK, DEHRADUN.
जिला देहरादून (DEHRADUN)
राज्य UTTARAKHAND पिन 248001

विषय- राजनीतिक लाभ हेतु धार्मिक विचारधारा के उपयोग को दण्डनीय अपराध माने जाने के कारण, भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) के पत्र दिनांक 27.07.2012 के क्रियान्वयन (पालना) के क्रम में DEO/ RO/ समस्त उपखण्ड अधिकारियों (उत्तराखण्ड) को जारी लिखित निर्देश (2013 से 2022 तक वर्षवार) की प्रमाणित प्रति के सम्बन्ध में।

संदर्भ- सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 तथा राजस्थान निर्वाचन विभाग, जयपुर का - धार्मिक संस्थान दुरुपयोग निवारण अधिनियम 1988 (Religious Institutions PREVENTION OF MISUSE Act 1988- No. 41 OF 1988) के अन्तर्गत - राज्यस्तरीय परिपत्र सं. 5346 दिनांक 05/10/2013, 3142 दिनांक 14.08.2012 तथा 3143 दिनांक 14.08.2012

महोदय/ महोदया

विषयांकित सूचना निम्नानुसार उपलब्ध कराने की अनुकम्पा करें -

1. वर्ष 2013 से 2022 तक सम्पन्न निर्वाचन के क्रम में, ECI के पत्र दिनांक 27.07.12 की पालना हेतु, CEO द्वारा जिला तथा उपखण्ड स्तरीय निर्वाचन अधिकारियों को जारी लिखित (वर्षवार) निर्देश की प्रमाणित प्रति।
2. वर्ष 2013 से 2022 तक सम्पन्न निर्वाचन के क्रम में, ECI के पत्र दिनांक 27.07.2012 की पालना समस्त राजनीतिक दलों से कराए जाने के क्रम में, जिला तथा उपखण्ड, स्तरीय निर्वाचन अधिकारी द्वारा समस्त राजनीतिक दलों को (वर्षवार) जारी लिखित निर्देश की प्रमाणित प्रति।

संलग्न -
1. आवेदन शुल्क IPO No 52 F-540721
2. ECI पत्र दिनांक 27.07.12
3. CEO US दिनांक 14.08.12, 14.08.12 तथा 05/10/2013 (राजस्थान सरकार)
4. NEWS REPORT HND DATED 10/01/2022 P. 9.

आवेदनकर्ता
Sd/- 26/01/2022
(कृष्ण गोपाल) प्रवक्ता
राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय,
अजमेर (AJMER)- 305002 (RAJASTHAN)

ELECTION COMMISSION OF INDIA

Nirvachan Sadan, Ashoka Road, New Delhi-110001

No. 3/1/2012-SDR Dated: 27th July, 2012

To,

The Chief Electoral officers of
all States/ UTs
(except Jammu & Kashmir)

Sub:- Misuse of religious institutions for political purposes –regarding.

Sir/Madam,

The existing provisions of the Model Code of Conduct for the guidance of political parties and candidates prohibit the use of places of worship as forum for election propaganda in any manner.

Further, Sections 3, 5 & 6 of The Religious Institutions (Prevention of Misuse) Act, 1988 (No. 41 of 1988) prohibit use of religious institutions or funds of religious institutions for the promotion or propagation of any political ideas or political activity or for benefit of any political party. Contravention of the provisions of any of these Sections is punishable by imprisonment upto 5 years and with fine.

The Commission desires that the above provisions of the existing law may be brought to the notice of all DEOs and ROs so as to ensure that any violation of these provisions during election is dealt with firmly and FIRs/ complaints are lodged under relevant provisions in the event of any offence under the said Sections of the Religious Institutions (Prevention of Misuse) Act, 1988.

A copy of the above mentioned Act (No. 41 of 1988) is enclosed herewith. DEOs, ROs and other election authorities should be instructed to ensure strict observance of the above provisions of law. This may also be circulated to all political parties based in your State/ UT, including State units of the political parties for their information.

Kindly acknowledge receipt.

Yours faithfully,

(Ashish Chakraborty)
Secretary

Copy to: The President/General Secretary of all recognized National and State parties (As per list attached).

D.

215

GOVERNMENT OF RAJASTHAN
(ELECTION DEPARTMENT)

Jaipur, dated : 14.8.12

No.F.3(1)(2)I/Elec/12/ 3143

From :- The Chief Electoral Officer,
Rajasthan, Jaipur

To :- All Recognized Political Parties

Sub. :- Misuse of religious institutions for political purposes - regarding.

P-205/c

Sir,

I am directed to send a copy of letter No. 3/1/2012-SDR 27th July, 2012 received from Election Commission of India, New Delhi in respect of misuse of religious institutions for political purpose.

It is submitted for information and further necessary action for ensuing General Election to House of People/Legislative Assembly/Bye-Elections etc.

Yours faithfully,

(P.C. Gupta)
Jt. Chief Electoral Officer,
Rajasthan, Jaipur

Encl:- As above.

CERTIFY FOR R.T.I.

Asstt. Public Information Officer
Off. Of C. E. O. Raj. , Jaipur

D:\MDK\Gen\F3.1.7.IE.08.doc

214

GOVERNMENT OF RAJASTHAN
(ELECTION DEPARTMENT)

No.F.3(1)(2)I/Elec/12/ 3142 Jaipur, dated : 14.8-12

From :- The Chief Electoral Officer,
Rajasthan, Jaipur

To :- All District Election Officers
(Collectors), Rajasthan

Sub. :- Misuse of religious institutions for political purposes - regarding.

Sir,

I am directed to send a copy of letter No. 3/1/2012-SDR 27th July, 2012 received from Election Commission of India, New Delhi in respect of misuse of religious institutions for political purpose.

It is, therefore, requested that these directions may kindly be followed during the General Election to House of People/Legislative Assembly/Bye-Elections etc. as well as these directions may kindly be brought to the notice of all Returning Officers of Assembly Constituencies of your district for compliance.

CERTIFY FOR R.T.I.

Asstt. Public Information Officer
Off. Of C. E. O. Raj., Jaipur

Yours faithfully,

(P.C. Gupta)
Jt. Chief Electoral Officer,
Rajasthan, Jaipur

Encl:- As above.

D:\MDK\Gen\F3.1.7.IE.08.doc

101

राजस्थान सरकार
निर्वाचन विभाग

क्रमांकः एफ.8(2)(12)/निर्वा/2013/ 5346 जयपुर दिनांकः 5-10-13

प्रेषकः मुख्य निर्वाचन अधिकारी,
राजस्थान, जयपुर।

प्रेषितिः समस्त जिला निर्वाचन अधिकारी,
(कलक्टर) राजस्थान।

विषयः विधान सभा आम चुनाव 2013 – आदर्श आचार संहिता – धार्मिक संस्थाओं का राजनीतिक प्रयोजनों के लिए दुरूपयोग रोकने बाबत।
प्रसंगः भारत निर्वाचन आयोग का परिपत्र क्रमांक 3/1/12–SDR दिनांक 27.7.2012

आपका ध्यान प्रासंगिक पत्र की ओर आकर्षित कर लेख है कि The Religious Institutions (Prevention of Misuse) Act, 1988 की धारा 3, 5 एवं 8 के प्रावधानों के अन्तर्गत धार्मिक संस्थाओं अथवा धार्मिक संस्थाओं के कोष का उपयोग किसी राजनीतिक विचारधारा या राजनीतिक गतिविधि या किसी राजनीतिक दल के फायदे के लिए किया जाना निषिद्ध है। इन प्रावधानों के उल्लंघन पर 5 वर्ष तक के कारावास की सजा और जुर्माने से दण्डित किया जा सकता है। सुलभ संदर्भ के लिए प्रासंगिक परिपत्र एवं उक्त अधिनियम की प्रति संलग्न है।

अतः निर्देश दिये जाते है कि उक्त प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करावें, साथ ही रिटर्निंग अधिकारियों एवं निर्वाचन से संबंधित अन्य संबंधित प्राधिकारियों को भी उक्त प्रावधानों की पालना सुनिश्चित कराने के लिए निर्देशित किया जावें।

भवदीय,

संलग्नः उपरोक्तानुसार
(P-103-108-C)

(पी. सी. गुप्ता)
संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी
राजस्थान, जयपुर।

CERTIFY FOR R.T.I.

Asstt. Public Information Officer
Off. Of C. E. O. Raj., Jaipur

Curb misuse of religion in politics, BSP chief urges ECI

PRESS TRUST OF INDIA
LUCKNOW

Bahujan Samaj Party (BSP) chief Mayawati on Sunday expressed concern over the "increasing" use of religion in politics during elections and said the Election Commission of India must curb this "worrying" trend.

Her remarks came a day after Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath said the Assembly Election in the State will be an "80% versus 20%" one, alluding to the roughly 20% Muslim population.

"In the past few years, during the elections, there have been attempts to derive electoral advantage using religion. This impacts the election and the entire country is worried about this," Ms. Mayawati told reporters on Sunday.

"The Election Commission should take serious steps to curb the narrow politics of selfishness as was evident in the past few years," the BSP supremo added.

Accusing the Adityanath government of foisting a "jungle raj", Ms. Mayawati also claimed that the BJP will lose the 2022 election "if there is no misuse of government machinery and there are no discrepanci[es] in EVMs".

HND - 10/01/2022 - 9.

HND
10-01-2022